

डॉ. एलेन फिलिप्स, पुराने नियम का साहित्य, व्याख्यान 11, संधियाँ, टोरा, 10 आज्ञाएँ

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, मुझे लगता है कि आज के लिए शब्द है बोक़र टोव। धन्यवाद। यह अच्छा लगता है।

आप जानते हैं, जब मैं यहाँ बैठा हुआ आपको देख रहा था, तो मैं लोगों की संख्या गिन रहा था, और इससे मैं आपको यहाँ आने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, लेकिन फिर आपको अपने भाई-बहनों की देखभाल करने की चुनौती भी देता हूँ क्योंकि हम कम से कम 15 से 20 लोगों को खो रहे हैं जिन्हें यहाँ होना चाहिए। मुझे पता है, क्या यह चौंकाने वाला नहीं है? इस कक्षा के लिए वास्तव में 45 छात्र पंजीकृत हैं, और अभी यहाँ 45 लोग नहीं हैं। इसलिए, आप जानते हैं, उन लोगों की मदद करने का बीड़ा उठाएँ जो सोने का आनंद ले रहे हैं, कि भले ही यहाँ की कुर्सियाँ उनके बिस्तर जितनी आरामदायक न हों, फिर भी, यहाँ रहने का कुछ मूल्य हो सकता है।

मैं यह भी अच्छी तरह जानता हूँ कि बहुत से लोग बीमार भी हैं, और यह एक ऐसी चीज़ है जिसके लिए हम प्रार्थना करना चाहते हैं। हालाँकि, हम कुछ और करने से पहले गाना गाएँगे। आखिरकार आज शुक्रवार है।

तो, चलिए इसकी समीक्षा करते हैं। वैसे, हम बाद में कुछ नए संगीत पर चर्चा करेंगे। लेकिन देखते हैं कि हमें याद है कि की टोव कैसा है।

यह यहाँ है।

की तोव अडोनाई लेओलाम हसदो . की तोव अडोनाई लेओलाम हसदो .

वे'द डोर , वे'एडोर , वे'एड डोर , वे'एडोर , एमुनाटो .

की तोव अडोनाई लेओलाम हसदो . की तोव अडोनाई लेओलाम हसदो .

वे'द डोर , वे'एडोर , वे'एड डोर , वे'डोर , एमुनाटो ।

वैसे, क्या आप जानते हैं कि यह भजन कैसे शुरू होता है? यह, बेशक, भजन 100 की आयत 5 है। यह कैसे शुरू होता है? यह उचित है कि हम इसे गाएँ क्योंकि यह प्रभु के लिए एक आनन्दपूर्ण शोर मचाने से शुरू होता है।

तो यहाँ हम शुक्रवार की सुबह, मुझे आशा है, प्रभु के लिए खुशी से शोर मचा रहे हैं। जैसा कि हम शुरू करते हैं, आइए हम एक साथ प्रार्थना करें। स्वर्ग में हमारे दयालु पिता, जैसा कि हम, फिर से, प्रार्थना में एक साथ इस दिन की शुरुआत करते हैं, हमें इसे केवल एक रूप या अनुष्ठान के रूप में न लेने में मदद करें, बल्कि यह महसूस करने में मदद करें कि हम ब्रह्मांड के स्वामी से बात कर रहे हैं, और वह आप हैं।

इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी आत्मा के द्वारा हमारे दिलों को जीवंत करें, उन्हें आपके लिए प्रेम से जलाएं, हम प्रार्थना करते हैं। और एक दूसरे के लिए प्रेम, और एक दूसरे के लिए प्रेम। और आपके वचन के लिए प्रेम।

पिता, हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो बीमार हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें जल्दी से जल्दी स्वस्थ और पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करें। उन्हें उस काम की अधिकता से निराश न होने में मदद करें जो उन्हें देखने को मिल सकता है।

और हमें इस तरह से एक दूसरे की मदद करने के लिए दयालु बनने में मदद करें। हम प्रार्थना करते हैं कि जब हम एक साथ अध्ययन करते हैं तो आप हमें सिखाएँ। पिता, हमें वास्तव में आपको जानने और आपको बेहतर तरीके से जानने के लिए सीखने की ज़रूरत है।

और इसलिए हम आपसे प्रार्थना करेंगे कि आप हमें उन बातों में मदद करें, खास तौर पर हमें सिखाने के मामले में कि आपने दस आज्ञाओं में क्या कहा है। पिता, हमें इसे दिल से अपनाने में मदद करें। और हम ये सारी बातें मसीह के नाम पर, धन्यवाद के साथ मांगते हैं, आमीन।

खैर, आज हम टोरा के बारे में बात करने जा रहे हैं। और भजन 119 में जो कहा गया है उसे याद करने में कोई बुराई नहीं है। बेशक, आप जानते होंगे कि भजन 119 एक बहुत लंबा भजन है जो परमेश्वर के द्वारा हमें दिए गए निर्देशों के मूल्य, सुंदरता और प्रभावकारिता के बारे में है।

हम इस पर तब चर्चा करेंगे जब हम भजनों पर चर्चा करेंगे। लेकिन यह श्लोक बहुत अच्छा है क्योंकि हम टोरा की अवधारणा पर चर्चा शुरू कर रहे हैं। मैं थोड़ी देर में कथा से टोरा तक हमारे संक्रमण के बारे में और अधिक बताऊंगा।

मेरी आँखें खोलो ताकि मैं तुम्हारे टोरा में अद्भुत चीजें देख सकूँ। मेरी आँखें खोलो ताकि मैं तुम्हारे टोरा में अद्भुत चीजें देख सकूँ। अब, हम एक मिनट में इस बारे में बात करने जा रहे हैं कि टोरा की सामग्री के संदर्भ में इसमें क्या शामिल हो सकता है, लेकिन आज और वास्तव में अगले कुछ दिनों में हमारी चर्चा में यही हमारी प्रार्थना हो।

मैंने कहा था, चूंकि हम पिछली बार ऐसा नहीं कर पाए थे, इसलिए हम मिस्र से एक संक्षिप्त दृश्य यात्रा करेंगे और मिस्र और रीड्स सागर और उस सब को छोड़कर सीधे उस स्थान पर पहुंचेंगे जहां पारंपरिक माउंट सिनाई स्थित है। आपको याद होगा कि जब हमने पिछली बार मानचित्र देखा था, तो मैंने संकेत दिया था कि माउंट सिनाई के स्थान के लिए कई सुझाव हैं। तो, मैं बस एक तरह से, ठीक है, मैं पारंपरिक के साथ जा रहा हूँ, ठीक है? चलो शुरू करते हैं।

हम रीड्स सागर के पार आ चुके हैं, और हम दक्षिण-पश्चिमी, वास्तव में, सिनाई प्रायद्वीप के पश्चिमी भाग की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें कुछ दक्षिणी चीजें भी हैं। और आप यहाँ एक छोटा सा नखलिस्तान देख सकते हैं। यह अत्तूर का नखलिस्तान है, लेकिन अन्यथा, यह एक बहुत ही बंजर क्षेत्र है।

फिर से, इस चुनौती को ध्यान में रखें जिसका सामना इस्राएलियों ने पानी के मामले में शुरू से ही किया था। जब उन्हें पानी मिला, तो शुरू में, यह कड़वा पानी था। यहाँ, हम सिनाई प्रायद्वीप के तट के साथ उस क्षेत्र से मुड़ते हैं और घाटी और वाडी क्षेत्र के इन विस्तृत क्षेत्रों का अनुसरण करते हुए थोड़ा अंदर की ओर बढ़ना शुरू करते हैं।

और फिर अंत में हम तीर्थयात्रियों के मार्ग पर चलते हुए पारंपरिक रूप से माउंट सिनाई की ओर बढ़ते हैं। और, ज़ाहिर है, सबसे मज़ेदार हिस्सा सूर्योदय के समय वहाँ पहुँचना है। हम यहाँ हैं।

माउंट सिनाई पर चढ़ना आसान नहीं है। यहाँ आप देख सकते हैं कि यह बहुत कठिन है। अब सूरज उग आया है।

और इसी तरह एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स पादरी पहाड़ पर चढ़ता हुआ आ रहा है। मुझे यह तस्वीर कई कारणों से पसंद है, लेकिन सबसे बड़ी वजह यह है कि अगर आप ध्यान से देखें तो इस आदमी की लंबी सफ़ेद दाढ़ी है। तो, वह 70 या 80 के दशक में है।

यहाँ, वह सुबह-सुबह माउंट सिनाई की चोटी पर चढ़ रहा है। और अगर आप कहानी को ध्यान से पढ़ें, तो पाएंगे कि मूसा भी यही कर रहा है। निर्गमन 19 में मूसा के पहाड़ पर चढ़ने-उतरने और चढ़ने-उतरने की संख्या चौंकाने वाली है।

क्योंकि परमेश्वर उसे निर्देश देता है, वह इस्राएलियों को बताने जाता है। फिर उसे वापस ऊपर जाना पड़ता है और इस्राएलियों का उत्तर लाना पड़ता है। जैसा कि हम पाठ को पढ़कर जानते हैं, मूसा उस समय 80 वर्ष का था।

तो, यह देखने में एक मजेदार चीज़ है। जैसे ही हम नीचे की ओर देखते हैं, आपको वहाँ दरार के माध्यम से एक क्षेत्र दिखाई देता है। और वह, निश्चित रूप से, सेंट कैथरीन मठ है।

आप में से जो लोग कला इतिहास से जुड़े हैं, और मुझे उम्मीद है कि आप में से कुछ लोग यहाँ कला इतिहासकार हैं, वे जानते होंगे कि सेंट कैथरीन या सांता कैटरीना में दुनिया के सबसे बेहतरीन आइकन, ग्रीक ऑर्थोडॉक्स आइकन संग्रहों में से एक है। इसका एक कारण यह है कि यह सिनाई प्रायद्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित था, जो बहुत अलग-थलग है। इसलिए, जब मूर्तिभंजन आंदोलन चल रहे थे, तो मूर्तिभंजन का मतलब था आइकन को तोड़ना क्योंकि आपको नहीं लगता था कि आइकन रखना सही बात है।

वे सांता कैटरीना से चूक गए, क्योंकि यह रास्ते से थोड़ी दूर था। और इसलिए, वहाँ आइकनों का एक अद्भुत संग्रह है। यह पुस्तकालय है, यहाँ का पूरा इलाका।

उस लाइब्रेरी में कुछ अद्भुत पांडुलिपियाँ भी मिली हैं। संभवतः सबसे प्रसिद्ध सिनैटिकस पांडुलिपि है, जिसके मिलने के पीछे एक लंबी कहानी है, कि यह अब कहाँ है, और यह तथ्य कि भिक्षु इसे वापस चाहते हैं।

दुखद बात यह है कि अब आप लाइब्रेरी में बिल्कुल भी नहीं जा सकते। हम कम से कम लाइब्रेरी की पहली मंजिल तक तो जा सकते थे, लेकिन वह बंद हो गई है। फिर भी, आप अभी भी सांता कैटरिना जा सकते हैं, और यह उन लोगों के लिए एक शानदार अनुभव है जो अपने मध्य पूर्वी अध्ययन के हिस्से के रूप में किसी समय सिनाई जाने की उम्मीद कर रहे हैं, चाहे वह कुछ भी हो।

खैर, हम यहाँ हैं। अब आइए पाठ में कुछ बातों पर आते हैं। जैसा कि मैंने कहा, निर्गमन 19 वास्तव में हमारे लिए मंच तैयार करता है।

और दिलचस्प बात यह है कि जब आप रुककर निर्गमन की संरचना के बारे में सोचते हैं, तो हमें ईश्वर का असाधारण उद्धार देखने को मिलता है, है न? अध्याय 1, खास तौर पर अध्याय 15 तक, और फिर समुद्र से माउंट सिनाई के तल तक की यात्रा। ईश्वर उनके साथ रहा है, हर कदम पर उनका साथ दिया है। और उसके बाद, हम टोरा की ओर रुख करेंगे।

यहाँ क्या लिखा है, इस पर ध्यान दें और मैं अध्याय 19 की आयत 4 से पढ़ना शुरू करने जा रहा हूँ। तुमने खुद देखा है कि मैंने मिस्र के साथ क्या किया, कैसे मैं तुम्हें उकाब के पंखों पर उठाकर अपने पास ले आया। अब, ठीक है, तो इसे ध्यान में रखते हुए, अब अगर तुम मेरी पूरी तरह से आज्ञा मानोगे और मेरी वाचा को, जो आने वाली है, पालन करोगे, तो सभी राष्ट्रों में से तुम मेरी अनमोल संपत्ति होगे, ठीक है, मेरी अनमोल संपत्ति।

हालाँकि पूरी पृथ्वी मेरी है, फिर भी तुम मेरे लिए याजकों का राज्य और पवित्र राष्ट्र होगे। ये उल्लेखनीय वादे हैं: याजकों का राज्य और पवित्र राष्ट्र। और जैसा कि मैंने आपको यहाँ बताया है, पतरस अध्याय 2 में इसका उल्लेख करने जा रहा है क्योंकि वह परमेश्वर के लोगों की धन्य प्रकृति के बारे में बात कर रहा है।

इसलिए, परमेश्वर यहाँ कुछ अद्भुत वादे करता है और उन्हें यह भी याद दिलाता है कि उसने उनके लिए क्या किया है। और यह उस आधार पर है, उनके संप्रभु के रूप में जिसने उन्हें बचाया है, उन्हें छुड़ाया है, और उन्हें मुक्ति दिलाई है, कि वह अब उनके साथ उस संप्रभु वाचा, सुजरेन वाचा, सुजरेन्टी संधि को स्थापित करने जा रहा है। मूसा को पहाड़ से नीचे उतरने और फिर वापस ऊपर आने के लिए कहा जाता है ताकि लोगों को तैयार किया जा सके और पहाड़ के चारों ओर सीमाएँ निर्धारित की जा सकें।

उन्हें स्वच्छ रहना चाहिए। उन्हें पवित्र रहना चाहिए। उन्हें यौन संबंधों से दूर रहना चाहिए।

इसका मतलब यह नहीं है कि कामुकता और यौन अभिव्यक्ति गलत है। लेकिन जब आप लैव्यवस्था अध्याय 15, खास तौर पर 18 पढ़ते हैं, तो यह किसी को अशुद्ध बनाता है। यह पाप का मामला नहीं है, लेकिन यह किसी को उस दिन के लिए अशुद्ध बनाता है।

और इसलिए, इसलिए, उन्हें इससे दूर रहना चाहिए ताकि जब परमेश्वर की उपस्थिति पहाड़ पर उतरे तो पवित्रता की स्थिति बनी रहे। जैसा कि मैंने पहले ही संकेत दिया है, हमारे पास मध्यस्थ

के रूप में मूसा है, ऊपर और नीचे और ऊपर और नीचे, और हम इसे अध्याय 20 के अंत तक देखेंगे। और फिर, बस मुझे यहाँ एक छोटी सी टिप्पणी करने दें।

अधिकांश लोग, जब वे पढ़ रहे होते हैं, और सिर्फ़ छात्र ही नहीं, बल्कि अधिकांश लोग जब वे पुराने नियम को पढ़ रहे होते हैं, तो उत्पत्ति के साथ शानदार समय बिताते हैं। यह शानदार कहानियों से भरा हुआ है। और हम अध्याय 19 से लेकर अध्याय 20 तक उल्लेखनीय रूप से अच्छा समय बिताते हैं, और फिर अगर हम सावधान नहीं हैं, तो हमारी आँखें थोड़ी सी चमक जाती हैं।

और जब हम लैव्यव्यवस्था पर आते हैं तो वे वास्तव में धुंधले हो जाते हैं। ऐसा अपने साथ न होने दें, ठीक है? ऐसा अपने साथ न होने दें। हम कोशिश करेंगे और इनमें से कुछ चीजों को थोड़ा जीवंत बनाएँगे, लेकिन कोशिश करें और सोचें कि ये सभी चीजें परमेश्वर द्वारा बताए गए उन बातों का हिस्सा हैं जो उसके वाचा के लोगों को उसे प्रसन्न करने के लिए करने की आवश्यकता है।

मैं इस बारे में कुछ और बातें थोड़ी देर में कहूँगा। निश्चित रूप से, जैसा कि मैंने आपको यहाँ बताया है, जिस कहानी से हम अभी गुज़रे हैं, वह दर्शाती है कि उन्हें टोरा, वाचा और शर्तों की कितनी सख्त ज़रूरत है। आप में से कुछ लोगों ने मुझे बताया है कि ऐसा लगता है कि जब भी आप उत्पत्ति में पीछे मुड़ते हैं, तो कोई व्यक्ति किसी और के साथ सो रहा होता है, जिसके साथ उसे नहीं सोना चाहिए।

हाँ, यह सही है। जब हम उत्पत्ति पढ़ते हैं, तो हम देखते हैं कि टोरा का होना कितना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्पत्ति में बार-बार चीज़ें ग़लत होती हैं। और इसलिए हम सीखते हैं कि यह कितना ज़रूरी है।

एक और बात जो मैं बताना चाहता हूँ, जिसे टोरा कहा जाता है, मोटे तौर पर, हम अब टोरा के बारे में उसके अर्थ निर्देशों के संदर्भ में बात करने जा रहे हैं। लेकिन मूसा का टोरा उत्पत्ति से लेकर व्यवस्थाविवरण तक सभी को शामिल करता है। और यह कि टोरा वास्तव में व्यापक प्राचीन निकट पूर्वी संस्कृति में अद्वितीय है क्योंकि इसमें निर्देश और कानून दोनों के साथ-साथ कथा भी शामिल है।

आप व्यापक संस्कृति से इन दस्तावेज़ों के बाकी हिस्सों में ऐसा नहीं देखते हैं। ठीक है, अब तक सब ठीक है? सवाल? हम कैसे कर रहे हैं? यह एक ठंडा शुक्रवार है, है ना? चलो थोड़ा आगे बढ़ते हैं। कुछ परिभाषाएँ।

ये आपको कुछ ऐसी बातों की याद दिला रहे हैं जिनके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं, और दूसरी बात, युवा रक्त क्या कहता है, इस पर ध्यान देना। इसलिए, अगर आपको वापस जाकर युवा रक्त की समीक्षा करने की ज़रूरत है, तो ऐसा करें। सबसे पहले, वाचा।

हम पहले भी यहाँ आ चुके हैं, लेकिन अब हम सिनाई से वाचा के बारे में बात करने जा रहे हैं। तो, दो पक्षों के बीच एक व्यवस्था। अगर आपने अभी तक इस परिभाषा को याद नहीं किया है, तो आप इसे याद करना चाहेंगे।

दो पक्षों के बीच एक व्यवस्था एक रिश्ता स्थापित करती है। यह महत्वपूर्ण है। इसमें दोनों पक्षों की ज़िम्मेदारियाँ शामिल हैं।

और जैसा कि हमने पहले कहा है, ईश्वर का दायित्व अपने वचन को पूरा करना है, है न? हमारे दायित्व टोरा या वाचा, क्षमा करें, टोरा में स्पष्ट रूप से वर्णित किए जाएंगे। और फिर, बेशक, यह प्रतिबंधों को भी स्थापित करता है, और प्रतिबंधों के बारे में हमें बाद में और भी कुछ कहना होगा। मुझे लगता है कि मैंने यह पहले भी कहा है, लेकिन मैं खुद को दोहराऊँगा।

हिब्रू शब्द टोरा एक क्रिया से आया है जिसका अर्थ है सिखाना। और इसलिए, सबसे उचित रूप से, टोरा का अर्थ है निर्देश। हाँ, इसका अक्सर अनुवाद कानून के रूप में किया जाता है, लेकिन हम इसे व्यापक रूप से निर्देश के रूप में सोचना चाहते हैं।

इस मामले में, वाचा के संदर्भ में, हम टोरा के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो वाचा प्राप्त करने वाले मनुष्यों के लिए दायित्वों का कथन है। युवा रक्त से दो शब्द जिन्हें आप जानना चाहेंगे। एपिडिक्टिक पहला है, जिसका सीधा सा अर्थ है पूर्ण अनिवार्यता।

अब, एपोदिकटिक टोरा का आपका क्लासिक उदाहरण क्या है? दस आज्ञाएँ, है न? और हम आज उन्हीं पर विचार करने जा रहे हैं। लेकिन कभी भी यह न सोचें कि इन पुस्तकों में केवल यही एपोदिकटिक टोरा है।

निश्चित रूप से, जैसे-जैसे हम निर्गमन 21, 22 और 23 के उत्तरार्द्ध की ओर बढ़ते हैं, खासकर 23 में, वहाँ बहुत सारे एपिडिक्टिक टोरा हैं। और लेवितिकस में भी यह है। अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करने का यह कथन कहाँ से आया है? लेवितिकस 19, वह एपिडिक्टिक टोरा है, ठीक है? तो, पूर्ण अनिवार्यताएँ।

इसके विपरीत, या शायद इस पर एक और दृष्टिकोण, कैसुइस्टिक टोरा है, जो विशेष रूप से, जैसा कि मैंने अभी आपके सामने कहा है, यह दर्शाता है कि यह केस लॉ है। यह सशर्त है। यदि कुछ निश्चित परिस्थितियाँ हैं, तो यह परिणामी दंड होगा।

अगर कोई व्यक्ति इन विशेष परिस्थितियों में उल्लंघन करता है, तो उसे यही उम्मीद करनी चाहिए। इसका एक क्लासिक उदाहरण यह है कि अगर दो पुरुष लड़ रहे हैं, और लड़ते-लड़ते वे एक गर्भवती महिला पर हमला करते हैं, और उसके बच्चे बाहर आ जाते हैं। वैसे, यह एक बहुवचन शब्द है।

फिर जुर्माना लगेगा, और अगर कोई खास नुकसान हुआ है, तो आपने पहले भी सुना होगा, आँख के बदले आँख, जान के बदले जान, इत्यादि। हम सोमवार को, भगवान की इच्छा से, उस माप-

दर-माप सज़ा पर वापस आएँगे। लेकिन किसी भी दर पर, यह केस लॉ, कैसुइस्टिक टोरा का मामला है।

ये हैं शर्ते; परिणाम क्या हैं, इसलिए, आपके पास कुछ दंड हैं। फिर से, कुछ चीजों को उठाते हुए जिन्हें आप इसके साथ ही पढ़ रहे हैं, न केवल यंगब्लड बल्कि पुराने नियम के समानांतर कुछ चीजें हैं जिन्हें हम भी नोट करना चाहते हैं। और मैं उनका उल्लेख केवल आपका ध्यान उनकी ओर आकर्षित करने के लिए करने जा रहा हूँ।

हमारे पास कुछ बहुत ही पुराने कानून कोड हैं। शुल्गी, जिसे उर-नामू कोड भी कहा जाता है, तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व से है, बहुत पहले से। ठीक है, और फिर, निश्चित रूप से, हमारे पास हम्मुराबी की संहिता है, या कुछ वर्तनी के अनुसार, हम्मुराबी, जिसमें पी है, बीपी कभी-कभी अदला-बदली हो सकती है।

यह 18वीं शताब्दी ईसा पूर्व से आ रहा है। ये दोनों हमारे पलायन से पहले के हैं, सिनाई घटनाओं में टोरा दिया गया। ठीक है, तो वे पूर्ववर्ती होने जा रहे हैं।

आगे जो हुआ, वह निश्चित रूप से सिनाई में हुई संधि के साथ अपेक्षाकृत समकालीन है। हिती संधियाँ, उनमें से लगभग तीन दर्जन पाई गई हैं। हिती साम्राज्य, निश्चित रूप से, वह पूरा क्षेत्र है जो अब आधुनिक तुर्की है।

और हिती साम्राज्य कुछ बिंदुओं पर काफी आक्रामक था। इनमें से कुछ लड़ाइयों के परिणामस्वरूप, उन्होंने लोगों, जातियों और राष्ट्रीयताओं के अन्य समूहों के साथ संधियाँ कीं। और इन संधियों में, हमारे पास एक निश्चित पैटर्न है।

और जैसा कि मैंने आपको पीले रंग में बताया है, यह रूप बाइबिल के पाठ में वाचा के समान है। निर्गमन 21 से 24 एक क्लासिक रूप है जो हिती संधियों में हमारे पास जो है उसके समान है, और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक की संपूर्णता भी वैसी ही है। अब, आप इनमें से कुछ बातें जानना चाहेंगे।

प्रस्तावना, मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ, यही आप निर्गमन में पढ़ते हैं। बहुत छोटा, निर्गमन 20. ऐतिहासिक प्रस्तावना: हिती संधियों में, वे विस्तार से बताते हैं कि सुजेन, संप्रभु, या राजा ने इन लोगों की ओर से क्या किया है जिनके साथ वह संधि की पेशकश कर रहा है।

मैंने यह किया है, मैंने यह किया है, मैंने यह किया है, और मैंने यह किया है, और इसलिए, तुम्हें आभारी होना चाहिए और मेरी आज्ञा का पालन करना चाहिए, ठीक है? अब, निर्गमन 19 में, हम इसे भी पढ़ते हैं। मैंने तुम्हें उकाब के पंखों पर उठाया; इसलिए, मेरी वाचा का पालन करो। अब, जब आप निर्गमन 20 में वास्तविक अभिव्यक्ति में आते हैं, तो यह मैं ही हूँ जो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ जो तुम्हें दासता के घर से, मिस्र से बाहर लाया है।

यह ऐतिहासिक प्रस्तावना है, जो बहुत छोटी है, लेकिन माना जाता है कि इससे लोगों में कृतज्ञता की भावना पैदा होगी। भगवान ने उनके लिए यह अद्भुत काम किया है। उन्हें वास्तव में आज्ञाकारी होना चाहिए।

और फिर, ज़ाहिर है, आपके पास सामान्य शर्तें, विशिष्ट शर्तें हैं। निर्गमन 20 से 24 के दृश्य में, निर्गमन 20 में जो दस आज्ञाएँ हैं, वे सामान्य शर्तें हैं। नैतिक टोरा, अगर आप चाहें, और हम आज थोड़ी देर बाद उन पर वापस आएँगे।

विशिष्ट शर्तें, खैर, निर्गमन 21 से शुरू करते हुए, दासों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए, और दासता के संबंध में कुछ लैंगिक मुद्दे हैं। संपत्ति के बारे में कानून हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, ऐसी सख्त चेतावनी दी जाती है कि मूर्तिपूजा या बुतपरस्त संस्कृतियों जैसी किसी भी तरह की प्रथाओं में शामिल न हों।

तो, बहुत सी विशेष शर्तें हैं, यहाँ तक कि, बकरी के बच्चे को उसकी माँ के दूध में न उबालें। यह बहुत खास बात है, है न? उसके बाद, आपके पास गवाह हैं। अब, हिती संधियों में, बहुत से देवताओं को गवाह के रूप में बुलाया जाता है।

चूँकि हमारे पास स्पष्ट रूप से कोई बहुदेववादी पृष्ठभूमि नहीं है, इसलिए इस वाचा के रूप में गवाह के रूप में किसे, किसको बुलाया गया है जिसे हम बाइबिल के पाठ में देखते हैं? क्या आपको अपने पढ़ने से याद है? यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण बिंदु होने जा रहा है क्योंकि हम आगे बढ़ते हैं, न केवल वाचा के माध्यम से, बल्कि बाद में सभी भविष्यवक्ताओं में भी। स्वर्ग और पृथ्वी, स्वर्ग और पृथ्वी को गवाह होने के लिए बुलाया जाता है। इसलिए जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं और इसे देखते हैं, तो अगली बार जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ना शुरू करते हैं, तो भविष्यवक्ता कहने जा रहा है, मैं स्वर्ग और पृथ्वी को अपने गवाहों के रूप में बुलाता हूँ।

प्रभु के पास तुम्हारे खिलाफ़ एक मामला है। उसके पास तुम्हारे खिलाफ़ एक मुकदमा है, और स्वर्ग और पृथ्वी इसके गवाह हैं। देखो, यह एक वाचा है।

यह कानूनी रूप से बाध्यकारी बात है। और इसलिए, अगर लोगों ने वाचा तोड़ी है, तो परमेश्वर के पास एक मामला है। उसके पास एक मुकदमा है।

तो ये गवाह हैं। शाप और आशीर्वाद। अगर वे वाचा का पालन नहीं करते हैं, तो कुछ बुरी चीजें सामने आएंगी।

अगर वे ऐसा करते हैं, तो आने वाले समय में बहुत बढ़िया चीजें होंगी। और उनमें से ज़्यादातर दिलचस्प रूप से ज़मीन के संदर्भ में सामने आती हैं। आपको याद होगा, ज़मीन एक तरह का भूमि अनुदान है।

इन लोगों को यह भूमि ईश्वर ने दी है। और फिर अंत में, इस टोरा, वाचा को रखने का प्रावधान है, मुझे कहना चाहिए, इसे कहीं रखना है ताकि हर सात साल में, व्यवस्थाविवरण 31, हर सात साल में झोपड़ियों के पर्व पर, वे इसे निकाल सकें और लोगों को पढ़कर सुना सकें, ठीक है? और ये

सभी चीजें हिती संधि के रूप में भी पाई जाती हैं। क्या आप इस पर मेरे साथ हैं? महत्वपूर्ण समानता।

मैं जानता हूँ कि यंगब्लड इसके बारे में बात करता है, लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है। मैं इसे सिर्फ आपके लिए दोहरा रहा हूँ। इस पूरे वाचा व्यवसाय, संधि व्यवसाय के संदर्भ में कुछ और बातें ध्यान में रखने योग्य हैं, और मुझे लगता है कि हम पुराने नियम के समानांतर अध्ययन गाइड में यह कहते हैं, लेकिन मैं बस यहाँ भी इसे स्पष्ट करना चाहता हूँ। परमेश्वर ने आकाश से कुछ ऐसा नहीं गिराया जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था।

भगवान ने एक ऐसे रूप का उपयोग करना चुना जो उनके लिए परिचित था, लेकिन उन्होंने इसमें बहुत सारे अर्थ, गहन अर्थ, शाश्वत रूप से प्रासंगिक अर्थ भर दिए। वैसे, यहाँ एक और कारण है, जो यह दिलचस्प था कि मूसा फिरौन के दरबार में बड़ा हुआ। वह इन सभी राजनीतिक चीजों और दस्तावेजों आदि से परिचित रहा होगा।

मूसा कोई गूंगा चरवाहा नहीं है जिसे केवल कुछ रहस्योद्घाटन ही मिलता है। परमेश्वर उन सभी चीजों का उपयोग कर रहा है जो उसकी पृष्ठभूमि का अभिन्न अंग हैं। और इसलिए, कोई व्यक्ति जिसने अपने पहले 40 साल मिस्र के संदर्भ में बिताए हों, वह इस तरह का लेखन करने के लिए अच्छी तरह से तैयार होगा।

मैं एक और बात पर ध्यान देना चाहता हूँ क्योंकि अगर आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं, तो आपको एक बात का सामना करना पड़ेगा कि विद्वानों का एक पूरा समूह कहता है कि, मूसा ने इनमें से कुछ भी नहीं लिखा। यह बाद में लिखा गया था, पहली सहस्राब्दी में, जिसका मतलब है कि 900 ईसा पूर्व के बाद, और वे कहते हैं, देखो, असीरियन संधियाँ भी हैं।

और वास्तव में, जब आप असीरियन संधियों को पढ़ते हैं, तो वे कुछ हद तक वैसी ही होती हैं जैसी आप बाइबल में देखते हैं। खैर, वे कुछ हद तक वैसी ही हैं जैसी आप बाइबल में देखते हैं, लेकिन उनमें एक अलग अंतर है, और यही मैं यहाँ आपके लिए नोट करने की कोशिश कर रहा हूँ। वह ऐतिहासिक प्रस्तावना, जिसके कारण मैंने पिछली बात में हाइलाइट किया, ऐतिहासिक प्रस्तावना, देवताओं ने इन लोगों के लिए क्या किया है, माफ़ करें, देवताओं ने क्या नहीं किया, शासकों ने इन लोगों के लिए क्या किया है, वह ऐतिहासिक प्रस्तावना है, और यह कुछ कृतज्ञता पैदा करने वाली है, है न? यह दूसरी सहस्राब्दी हिती संधियों में दिखाई देता है, जिनके बारे में हम अभी बात कर रहे हैं।

यह असीरियन संधियों में नहीं है, और इसके पीछे एक अच्छा कारण है, और मैं इसे आपके लिए स्पष्ट करता हूँ। असीरियन, जैसा कि हम देखेंगे जब हम असीरियन साम्राज्य के हमारे ईश्वर के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना शुरू करेंगे, वे क्रूर थे। वे लोगों की खाल उतार देते थे।

उन्होंने उन्हें खूँटे पर लटका दिया। उन्होंने इस तरह की हर तरह की हरकत की। इससे अधीनस्थों में कृतज्ञता की भावना पैदा नहीं होती।

कम से कम आप कल्पना तो नहीं कर सकते कि ऐसा होगा। इसलिए, यह सिर्फ एक संकेत है कि हमारे पास एक और कारण है कि क्यों यह संभव है कि यह पेंटाटेच खुद ही लिखा गया हो। शायद मूसा ने भी लिखा हो।

क्या शानदार विचार है, है न? मुझे लगता है कि यह बहुत संभव है। किसी भी हालत में, चलो आगे बढ़ते हैं। हमें कुछ और काम करने हैं।

टोरा के उद्देश्य। ये उद्देश्यों की पूरी सूची नहीं है। यहाँ मुख्य उद्देश्य दिए गए हैं।

आप स्पष्ट रूप से, जैसा कि आप इस बारे में सोचते हैं, उन्हें विस्तारित कर सकते हैं, उन्हें विस्तृत कर सकते हैं, और कुछ अन्य के साथ भी आ सकते हैं। पहले तीन एक साथ चलते हैं, तो चलिए उन सभी को वहाँ लाते हैं। चलो शुरू करते हैं।

चलो अभी चार नहीं करते। जब आप टोरा पढ़ना शुरू करते हैं, तो आपको ईश्वर की पवित्रता का अच्छा अहसास होता है, या कम से कम आपको ऐसा होना चाहिए। अब, आपको टोरा पढ़ने से ईश्वर की पवित्रता का अहसास कैसे होता है? मैं कह रहा हूँ कि यह ईश्वर की पवित्रता और न्याय और दया के चरित्र को प्रकट करता है।

टोरा पढ़ने से आपको ईश्वर की पवित्रता का कोई भी अहसास कैसे होता है? क्या आप इस समय डॉ. विल्सन को याद कर सकते हैं? या फादर अब्राहम को? या कहीं कोई उपदेश याद कर सकते हैं? क्या किसी के पास कोई विचार है? इस संबंध में हम कुछ बातें कह सकते हैं। या वह पवित्र नहीं है? या यह कुछ ऐसा है जो हमें इस पुस्तक से नहीं मिलता? ओह, यह एक बुरी सुबह है। हाँ, ईसाई।

मैरी, क्षमा करें। ठीक है, तो आप कह रहे हैं कि उसके पास जो शक्ति है और नियंत्रण है, संप्रभु नियंत्रण है, और इसलिए आप उन विशेषताओं में पवित्रता को भी शामिल करने जा रहे हैं। यह बुरा विचार नहीं है, लेकिन क्या हम कुछ और विशिष्ट भी प्राप्त कर सकते हैं? यह एक शुरुआत है।

यह एक अच्छी शुरुआत है। कैलिन। हाँ, यहाँ बहुत सारी शर्तें हैं, यही बात इसे बहुत ऊँचा बनाती है, है न? 613, पारंपरिक रब्बीनिक यहूदी धर्म के अनुसार, 613 कानून।

अब, मैं इस बिंदु पर एक बहुत ही खराब सादृश्य बनाने जा रहा हूँ, ठीक है? तो, आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं। लेकिन जब आपके पास एक प्रशिक्षक, एक शिक्षक, एक प्रोफेसर, जो भी आप इसे कहना चाहते हैं, जो आप पर सभी प्रकार की मांगें थोपता है, तो यह उस प्रशिक्षक के चरित्र के बारे में कुछ कहता है, इसके विपरीत जो आसानी से ए ग्रेड देता है और आपको बिना किसी काम के काम चलाने देता है, है न? तो, यह तथ्य कि हमारे पास बहुत सारे कानून हैं, और वास्तव में, यह हमें आइटम दो और तीन पर लाता है। यह दर्शाता है कि हम कितने जरूरतमंद हैं, कितने डूबे हुए पाप हैं, क्योंकि हर बार जब हम पीछे मुड़ते हैं, तो आप टोरा के उस दर्पण को देख रहे होते हैं, और यह सीधे आप पर चमक रहा होता है, और आप पाते

हैं, भाई, क्या मैं फिर से कम पड़ गया हूँ? और फिर जैसा कि पॉल कहते हैं, यह एक स्कूलमास्टर है जो हमें मसीह की ओर ले जाता है।

यहाँ एक और बात भी कही गई है, जो इस टोरा के संदर्भ में है जो परमेश्वर की पवित्रता को प्रकट करता है। यह बार-बार कहता है, खास तौर पर लैव्यव्यवस्था में, पवित्र बनो क्योंकि मैं, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा, पवित्र हूँ। यह इतना ही सरल है।

परमेश्वर ने घोषणा की है कि वह पवित्र है। उसे अलग रखा गया है, और इसलिए, जो कुछ हो रहा है उसका यह अभिन्न अंग है। खैर, जैसा कि मैंने कहा, पॉल ने रोमियों में यह बहुत स्पष्ट किया है कि टोरा का हमारे लिए यह कार्य है।

और फिर इसकी महिमा और सुंदरता यह है कि यह हमें मसीह की ओर ले जाता है। पॉल ने एक स्कूलमास्टर शब्द का इस्तेमाल किया है। टोरा एक स्कूलमास्टर है जो हमें मसीह की ओर ले जाता है क्योंकि हम बहुत ज़रूरतमंद हैं।

अब मुझे पता है कि अगर आप चर्च में पले-बढ़े हैं तो आपने यह सुना होगा। यह शायद ऐसी चीज़ है जिसे आप हल्के में लेते हैं लेकिन ऐसा न करें। हम बहुत ज़्यादा चीज़ों को हल्के में ले लेते हैं।

हमें समय-समय पर इन बातों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। खैर, टोरा अन्य बातें भी करता है। परमेश्वर के लोगों को अलग रहने के लिए दिशा-निर्देश प्रस्तुत करता है।

आप जानते हैं, सदियों से यहूदी धर्म के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि उन्हें उनके आस-पास की संस्कृतियों द्वारा मान्यता प्राप्त थी, सबसे खास बात यह थी कि वे सब्बाथ का पालन करते थे। यही वह चीज़ थी जो उन्हें अलग बनाती थी। इसके अलावा और भी कई चीज़ें थीं, जैसे उनके कोषेर कानून, आदि।

लेकिन ये ऐसी चीज़ें हैं जो उन्हें अलग बनाती हैं और उन्हें सिर्फ अलग और अजीब और विचित्र होने के लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए भी अलग बनाती हैं ताकि वे उचित रूप से परमेश्वर से प्रेम कर सकें। सब्त का दिन इसलिए बनाया गया है ताकि आप परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यही यीशु का कहना था।

मनुष्य का पुत्र सब्त का प्रभु है। इसका हमारे लिए बहुत गहरा अर्थ है, ठीक है? इसलिए अलग रखा गया, और ऐसा सिर्फ सब्त ही नहीं है; ये सभी दूसरी चीज़ें भी अलग हैं। अगर वे आज्ञाकारी थे, तो वे वाकई अलग थे।

अब, बेशक, जैसा कि आप जानते हैं, ज़्यादातर समय इस्राएली विशेष रूप से आज्ञाकारी नहीं थे, और वे अपने आस-पास की संस्कृति के स्तर पर डूब रहे थे। बेशक, यह हमारे लिए भी शिक्षाप्रद है, और इसलिए अक्सर हम अपने आस-पास की संस्कृति के स्तर पर डूब जाते हैं। एक बहुत ही व्यावहारिक कार्य भी है, अगर आपको पहले चार बहुत ज़्यादा पसंद नहीं हैं, तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ हैं।

आप जानते हैं, टोरा ज़रूरी है, कानून ज़रूरी हैं। बस यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामाजिक व्यवस्थाएँ उचित रूप से काम करें। गॉर्डन में नियम हैं।

मुझे पता है कि बहुत ज़्यादा नियम नहीं हैं, खैर, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ से आ रहे हैं। लेकिन गॉर्डन में नियम हैं, इसलिए वास्तव में, हम उचित तरीके से काम करते हैं और हर समय एक-दूसरे के बालों में नहीं उलझते। गाड़ी चलाने के लिए नियम हैं, हर चीज़ के लिए नियम हैं।

और फिर, जाहिर है, उन मानकों को तोड़ा जाता है। उनसे निपटने के तरीके हैं। और फिर एक बहुत ही दिलचस्प अंश, और मैं वास्तव में आपको इब्रानियों 10, श्लोक 1 पढ़ने जा रहा हूँ।

क्योंकि टोरा केवल वर्तमान और वर्तमान से संबंधित नहीं है, बल्कि मैं आपको सुझाव देता हूँ कि इब्रानियों के लेखक द्वारा कही गई किसी बात पर ध्यान दें। और यह एकमात्र स्थान नहीं है जहाँ वह ऐसा कहता है, लेकिन मैं 10:1 को ही उठा रहा हूँ, क्योंकि यह ठीक वहीं है। कानून आने वाली अच्छी चीज़ों की केवल एक छाया है, ठीक है? कानून आने वाली अच्छी चीज़ों की एक छाया है।

इब्रानियों के लेखक ने छाया के उस विचार का काफी इस्तेमाल किया है, और शायद मैं तब इसमें शामिल हुआ जब आपने डॉ. ग्रीन के साथ न्यू टेस्टामेंट पढ़ा। लेकिन यहाँ मेरा कहना यह है कि जब हम परमेश्वर द्वारा स्थापित व्यवस्था को देखते हैं कि उसके लोगों को पृथ्वी पर कैसे रहना है, न्याय, न्याय को कैसे प्रभावित किया जाए, उन चीज़ों से कैसे निपटा जाए, दयालु कैसे बनें, तो यह हमारी नज़र को इस बात पर केंद्रित करता है कि क्या आने वाला है, भविष्य में क्या होने वाला है।

जब सभी चीज़ें वास्तव में सही हो जाएंगी। मैंने वहाँ शालोम को हाइलाइट किया है। और ऐसा करने का एक कारण यह है कि इस शब्द के पीछे हिब्रू क्रिया रूप का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है।

मेरा मतलब है, हम आजकल शालोम का बहुत इस्तेमाल करते हैं। यह ईसाई धर्म का प्रचलित शब्द है, और यह इंजील धर्म का प्रचलित शब्द है। लेकिन बात यह है।

इसके पीछे एक हिब्रू क्रिया है जिसका मतलब है भुगतान करना, ठीक है, भुगतान करना। कभी-कभी वापस भुगतान करना। कभी-कभी यह प्रतिपूर्ति करने के पूरे विचार में शामिल होता है।

तो, कुछ ऐसी चीज़ें हैं जिन्हें शाश्वत क्षेत्र में भी सही करने की आवश्यकता है, और शालोम का संबंध उन चीज़ों से है। अब, फिर से, इसके बारे में भी बहुत कुछ कहना है, लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा। क्या आपके पास इसके बारे में कोई प्रश्न है? खैर, चलिए अपनी अगली सामग्री पर चलते हैं।

मुझे पता है कि जब आप कहीं और क्लास लेंगे, तो कोई कहेगा कि अब कोई भी टोरा को तीन श्रेणियों में नहीं बाँटता। खैर, मैं अभी भी ऐसा करता हूँ। और मैं ऐसा इसलिए करता हूँ क्योंकि इससे हमें इस विषय पर सोचने में आसानी होती है।

अगर आप फिर से पढ़ेंगे, तो मैं हमारे प्रतिमान के रूप में निर्गमन 20 से 23 का उपयोग कर रहा हूँ। अगर आप बिना किसी वैचारिक श्रेणियों के इसे पढ़ते हैं, तो हम दलदल में खो सकते हैं, है न? और आपने ऐसा किया, अगर आपने इसे आज के लिए पढ़ा है, तो आप ऐसा होते हुए देख सकते हैं। इसलिए, मैं इन श्रेणियों को इस पूरी चीज़ के बारे में वैचारिक रूप से सोचने के तरीकों के रूप में प्रस्तावित करने जा रहा हूँ, जो कि ईश्वर का टोरा है।

इसका मतलब यह नहीं है कि यहाँ कोई ओवरलैप नहीं है। ऐसा है, हम उन्हें देखेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि यहाँ-वहाँ कुछ छिद्रपूर्ण सीमाएँ नहीं हैं।

वे हैं, हम उन्हें देखने जा रहे हैं। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि इनमें से कुछ श्रेणियों के बारे में सोचना मददगार होगा। तो, सबसे पहले, चूंकि हम नैतिक टोरा के बारे में बात कर रहे हैं, मैं इसमें नैतिक शब्द भी शामिल करता हूँ, क्योंकि कुछ लोगों को यह शब्द उतना ही पसंद है।

और इसलिए, हम इसे नैतिक या नैतिक टोरा कहेंगे। हम उन निर्देशों के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारे दिलों, हमारी इच्छाओं और हमारे अस्तित्व पर मांग करते हैं। कभी-कभी, वे कभी भी अदालत प्रणाली में नहीं आते हैं।

कभी-कभी, आपके और भगवान के अलावा कोई नहीं जानता कि वे टूट गए हैं। लेकिन आप जानते हैं, और आपका विवेक आपको बताता है, दस आज्ञाओं में से पहली, कुछ मामलों में दस आज्ञाओं में से पहली दो। उसे कभी भी अदालत प्रणाली में न लाएँ, लेकिन मेरे सामने तुम्हारे पास कोई अन्य देवता नहीं होगा।

ओह, यह नैतिक टोरा है। अब, मैं दस आज्ञाओं के बारे में और अधिक बताऊंगा और वे किस तरह नैतिक टोरा के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। आइए हमारी दूसरी श्रेणी, नागरिक / सामाजिक के बारे में बात करते हैं।

और फिर, यह उस उद्देश्य को उठा रहा है। मुझे लगता है कि यह चौथा उद्देश्य था जिसे हमने स्पष्ट किया था, या पाँचवाँ, मुझे लगता है, इसके बारे में सोचें, जो कहता है कि हमें समुदाय में कार्य करने में मदद करने के लिए दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है। हम बस करते हैं, और इसलिए नागरिक सामाजिक टोरा ऐसा करने जा रहा है।

सामाजिक आचरण की संरचना करें, एक बात के लिए: यहाँ बताया गया है कि आप लैंगिक मुद्दों से कैसे निपटेंगे, यहाँ बताया गया है कि आप उन लोगों से कैसे निपटेंगे जो गुलाम हैं। यहाँ बताया गया है कि आप न्याय से कैसे निपटेंगे, रिश्त न लें, इत्यादि, इत्यादि, ठीक है? सामाजिक आचरण की संरचना करें और, यहाँ मुख्य बात है, न्याय के उचित प्रशासन की व्यवस्था करें। ताकि, यदि कोई वास्तव में हत्या करता है, या इसे थोड़ा अलग तरीके से करें यदि कोई वास्तव में किसी की हत्या करता है, तो आपको अपने नागरिक सामाजिक टोरा संरचनाओं में जाकर यह पता लगाना होगा कि क्या यह सीधे तौर पर हत्या थी, जिस स्थिति में हमारे पास आजीवन कारावास की सजा है, या यह हत्या है, जिस स्थिति में व्यक्ति शरण के शहर में भाग सकता है? इन चीज़ों को

संबोधित करने के तरीके हैं, इसलिए यह सब हमारी नागरिक सामाजिक व्यापक श्रेणी का हिस्सा है।

लेकिन जैसा कि मैंने आपके लिए कहा, सीमाएँ थोड़ी छिद्रपूर्ण हैं क्योंकि, जाहिर है, नैतिक टोरा नागरिक समाज के साथ ओवरलैप होने जा रहा है। हालाँकि, यहाँ हमारे पास न्याय के उचित प्रशासन का मुद्दा है जो महत्वपूर्ण है। फिर अंत में, अनुष्ठान टोरा, औपचारिक टोरा, यहाँ दो चीजें बेहद महत्वपूर्ण हैं, और सुनिश्चित करें कि हमारे पास दोनों हैं।

सबसे पहले, यह हमारा ध्यान ईश्वर की ओर आकर्षित करता है, और जैसा कि हम इसे विस्तार से समझने जा रहे हैं, यह ईश्वर की आराधना करने में हमारी मदद करने का मार्ग बनने जा रहा है। अनुष्ठान टोरा का संबंध ईश्वर की उपस्थिति में आने के इन पहलुओं में से एक से है। हम ईश्वर की उपस्थिति में कैसे आते हैं? अगली बार, नहीं, मुझे खेद है, बुधवार को, भगवान की इच्छा से, हमारे पास चैपल में जो कुछ होता है, उसके बारे में बहुत कुछ कहने को होगा।

अब, मैं इसे सीधे संबोधित नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन यदि आप संबंध नहीं बनाते हैं, तो आपके साथ कुछ गड़बड़ है, ठीक है? तो, अनुष्ठान टोरा उस पूरी बात को संबोधित करता है कि जब भगवान की पूजा करने के लिए निर्दिष्ट समय और पवित्र स्थान होते हैं, तो भगवान के लोगों को एक निश्चित तरीके से खुद को संचालित करना चाहिए। यह उस समय सच था जब उनके पास पुजारी और तम्बू और बलि के जानवर थे। सिद्धांत आज भी सत्य हैं।

अब प्रवचन समाप्त। मैं बुधवार को अपने साबुन के डिब्बे पर वापस आऊंगा। ठीक है, दूसरी बात यह है कि, यदि आप अनुष्ठान समारोह के बारे में सोचना चाहते हैं, तो न केवल पवित्र स्थान और पवित्र समय हैं, और वैसे, वे हमारे लिए उपहार हैं, बल्कि अनुष्ठान समारोह टोरा हमें याद दिलाता है कि जीवन का सारा हिस्सा ईश्वर की उपस्थिति में जीया जाता है।

सारा जीवन ईश्वर की उपस्थिति में जीया जाता है। और इसलिए, जब आप लैव्यव्यवस्था 11 से 15 पढ़ते हैं, और आप फफूंद और शरीर से निकलने वाले स्राव के बारे में पढ़ते हैं, और आप सोचते हैं, हे भगवान, यह एक अनुस्मारक है कि सारा जीवन ईश्वर की उपस्थिति में जीया जाता है। कुछ भी उसके दायरे से बाहर नहीं है।

अगर आपने कभी डॉ. विल्सन को पढ़ा है, तो आपने शायद इसे हमारे पिता अब्राहम में पढ़ा होगा। आप जानते हैं कि यहूदी धर्म में हर चीज़ के लिए आशीर्वाद है। क्या आप यह जानते हैं? हर चीज़ के लिए आशीर्वाद है।

आप जो भी करते हैं, उसमें आशीर्वाद होता है। यहाँ तक कि बाथरूम जाने में भी आशीर्वाद होता है। सारा जीवन ईश्वर की उपस्थिति में जीया जाता है।

और जब मानव शरीर ठीक से काम करता है, तो उस क्षमता में भी, यह महत्वपूर्ण है। इस तरह से ईश्वर को आशीर्वाद दिया जाता है। ठीक है, तो फिर से, ये तीन श्रेणियाँ हैं जो हमें टोरा के इस पूरे जटिल मुद्दे के बारे में वैचारिक रूप से सोचने में मदद करती हैं।

अब, आगे बढ़ने से पहले, सवाल और टिप्पणियाँ? अब तक तो सब ठीक है? ठीक है, हम आज का बाकी समय, जो हमें लगभग 25 मिनट देता है, दस आज्ञाओं के बारे में बात करने में बिताएँगे। उन्हें याद कर लें। उन्हें याद कर लें।

मैं आपको इस संबंध में दो कहानियाँ बता सकती हूँ, और फिर हम इस विषय पर आएँगे। मेरे पति, जो स्नातक थे, बेलोइट कॉलेज गए, जो विस्कॉन्सिन में एक काफी अच्छा कॉलेज है, और मुझे एहसास हुआ कि यह बहुत पहले की बात है। मुझे पता है कि वह आपके दादा के बराबर उम्र के हैं, लेकिन यह सब ठीक है।

वह बेलोइट कॉलेज में गया था, और यह एक ईसाई कॉलेज नहीं है। लेकिन अंग्रेजी साहित्य की कक्षा में, उसके प्रोफेसर ने छात्रों को दस आज्ञाएँ याद करने को कहा। क्यों? क्योंकि वे हमारे व्यक्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

जो कानून हैं, वे सार्वभौमिक हैं, ठीक है? इसलिए, उन्हें दस आज्ञाओं को याद रखना पड़ा। खैर, यह सब ठीक है और यह 1960 के दशक की बात है। मैं पार्क स्ट्रीट चर्च जाता हूँ, जैसा कि आप में से कुछ लोग जानते हैं।

और करीब दो साल पहले, वरिष्ठ मंत्री ने दस आज्ञाओं पर प्रवचनों की एक श्रृंखला देना शुरू किया। बहुत बढ़िया प्रवचन। अगर आप रुचि रखते हैं तो आप उन्हें डाउनलोड कर सकते हैं।

कहने को तो बहुत कुछ है। लेकिन अपनी श्रृंखला की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि वे कुछ दिलचस्प कहानियाँ बता रहे हैं, और उनमें से एक यह है कि उन्होंने पार्क स्ट्रीट के मंत्रालयिक कर्मचारियों के बीच अपना दौरा करने का फैसला किया। पार्क स्ट्रीट के मंत्रालयिक कर्मचारियों में लगभग दस लोग हैं।

और इसलिए वह हर दरवाज़े पर गया, खटखटाया, खटखटाया, खटखटाया, दरवाज़ा खुल गया। क्या आप दस आज्ञाओं को याद से याद कर सकते हैं? और क्या आप जानते हैं कि उनमें से कोई भी नहीं कर सकता था? उनमें से कोई भी नहीं कर सकता था। वे अभी भी उसका उल्लेख करते हैं।

दरअसल, दो रविवार पहले, उपदेश देने वाले व्यक्ति, जो कि मंत्री स्टाफ में था, ने निराशा के साथ उस शर्मनाक अनुभव का जिक्र किया जब गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर ने उसका दरवाज़ा खटखटाया था, और वह दस आज्ञाओं को भी याद से नहीं सुना पाया था। तो, यह आपके लिए मौका है। कुछ ऐसा लें जो आपके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है।

और इसे थामे रहो। जब तक आप सभी भजन या सुसमाचार या कुछ और नहीं सीख लेते, तब तक आप कुछ भी बेहतर याद नहीं कर सकते। क्या यह काफी है, जो भी हो, आज शुक्रवार है, है न? दस आज्ञाएँ टोरा के लिए अपोडिक्टिक हैं।

प्रभुता संपन्न राजा के रूप में परमेश्वर के पूर्ण अधिकार के आधार पर। हम पहले भी इस तरह की बातें कह चुके हैं। ध्यान दें, जब आप निर्गमन 21 से 23 में दी गई व्यापक सामग्री के साथ दस आज्ञाओं को पढ़ते हैं, तो इनमें से कई चीज़ों की सज़ा मृत्युदंड के रूप में सामने आती है।

वे कितने महत्वपूर्ण थे। ध्यान दें कि यीशु ने उनके बारे में क्या कहा। जब उनसे पूछा गया, और मैंने आपको यहाँ एक संदर्भ दिया है, तो आप समानताएँ भी देख सकते हैं, लेकिन मार्क 12 वाला एक अच्छा है।

सबसे बड़ा नियम क्या था? सबसे महत्वपूर्ण नियम क्या है? खैर, आप जानते हैं, आप 613 आज्ञाओं से निपट रहे हैं। आप क्या कहने जा रहे हैं? यीशु बहुत बुद्धिमानी से कहते हैं, अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल से प्यार करो। अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करो।

उसने उसे एक नहीं, बल्कि दो दिए। और फिर उसने कहा, इन सब पर, इन पर सारी व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता टिके हुए हैं। इसलिए, मानवीय जिम्मेदारी के दो पूरक पहलू हैं, अपने अस्तित्व के हर पहलू से परमेश्वर से प्रेम करना और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।

यीशु ने बहुत अच्छे तरीके से उनका सारांश दिया। ठीक है, क्या हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? अक्सर, आप जानते हैं, हमारे पास यह बात होती है जैसा कि हम शास्त्रों में पढ़ते हैं, यह कहता है कि गवाही के लिए दो पटियाँ हैं, है न? गवाही के लिए दो पटियाँ। खैर, आमतौर पर, हमारे पास इस तरह की एक तस्वीर होती है।

वह मूसा है। रेम्ब्रांट को वहाँ पहचान पत्र रखना चाहिए था; उन्होंने इसे वहाँ नहीं रखा। पहाड़ से नीचे आते हुए, और यहाँ उसकी एक पट्टिका है, और इस पर अंतिम पाँच आज्ञाएँ लिखी हैं। मैं इसे पढ़ने में सक्षम नहीं हो सकता, लेकिन इसमें लिखा है कि हत्या मत करो, व्यभिचार मत करो, इत्यादि इत्यादि।

हममें से ज्यादातर लोग सोचते हैं, और हमारी ज्यादातर कलाकृतियाँ, ये दो पटियाँ हैं। आप जानते हैं, एक यहाँ, एक यहाँ। पहली पाँच आज्ञाएँ इस पर हैं, और दूसरी पाँच आज्ञाएँ उस पर हैं।

उस तस्वीर में क्या गड़बड़ है? कोई जानता है? आगे बढ़ो, बेक्का। ठीक है, इसमें बहुत ज्यादा अतिरिक्त चीज़ें नहीं हैं, यह सही है। और बेशक, दिलचस्प सवालों में से एक यह है कि वहाँ कितना लिखा है।

लेकिन अगर हम सिर्फ़ वही दस शब्द कह रहे हैं जो निर्गमन 20 के अंत में लोगों के डरने से पहले सिनाई पर मूसा से कहे गए थे और कहते थे, उसे अब हमसे बात न करने दो, तुम उससे बात करो। हाँ, केट, बढ़िया, बढ़िया। यहाँ जो कुछ भी हमें मिला है, इसमें कोई संदेह नहीं है, यह इस पूरी हिंती संधि के अनुरूप है, दो प्रतियाँ बनाई जा रही हैं।

तो, जब टोरा की दो पट्टियों की बात होती है, तो एक पट्टी पर पूरी बात होती है और दूसरी पर पूरी बात होती है। और एक लोगों के लिए रखी जाती है, और एक पवित्र स्थान में रखी जाती है, वास्तव में। वाचा का सन्दूक वह जगह है जहाँ इसे रखा जाता है, एक भगवान के लिए।

ठीक है, हम बाकी आज्ञाओं को देखेंगे, या सभी आज्ञाओं को, क्षमा करें, एक तरह से क्रमिक रूप से। वैसे, मैं जानता हूँ कि आप में से जो लोग रोमन कैथोलिक पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके पास अपनी आज्ञाओं को क्रमांकित करने के लिए एक अलग प्रणाली है। कृपया उन्हें याद रखें क्योंकि मैंने उन्हें यहाँ रखा है।

मैं बस एक मिनट में समझाऊंगा कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। तो कृपया, अगर आपके पास यह पृष्ठभूमि है, तो बस इसे थोड़ा समायोजित करें।

हमारा पहला है, मैं इसे पढ़ता हूँ, निर्गमन अध्याय 20, श्लोक 3। मेरे सामने तुम्हारे कोई अन्य देवता नहीं होंगे। ठीक है, मेरे सामने तुम्हारे कोई अन्य देवता नहीं होंगे। वैसे, ये व्यवस्थाविवरण 5 में भी पाए जाते हैं। बस आपको बता दें कि दो स्थान हैं।

यह उन लोगों के लिए है जो मिस्र से बाहर आए हैं, जहाँ बहुदेववाद बहुत ज़्यादा प्रचलित था, और भगवान किसी और भगवान को नहीं मानते थे। अपने विश्वदृष्टिकोण को फिर से स्थापित करें। उन सभी चीज़ों से छुटकारा पाएँ जो आपके दिल को छूती हैं।

मेरे सामने कोई दूसरा देवता नहीं है। अब, आइए दूसरा भाग भी पढ़ें; यह थोड़ा लंबा हो जाता है। तुम अपने लिए ऊपर स्वर्ग में या नीचे पृथ्वी पर या नीचे के जल में किसी भी चीज़ के रूप में कोई मूर्ति नहीं बनाओगे।

तुम्हें उनके आगे झुकना नहीं चाहिए और न ही उनकी पूजा करनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि तुम कलात्मक काम करने से मना कर रहे हो। इसका मतलब यह है कि तुम उनके आगे झुकना नहीं चाहते, उनकी मूर्ति मत बनाओ।

यही अंतर है। अब, यहाँ एक बात है, फिर से, अगर आप रोमन कैथोलिक पृष्ठभूमि से आते हैं, तो यह एक अलग आज्ञा नहीं है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इसे एक अलग आज्ञा के रूप में देखें।

यह एक अलग आदेश है कि मूर्तियाँ न बनाएँ, उनके आगे न झुकें। और फिर ध्यान दें कि यह आगे क्या कहता है। क्योंकि मैं, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा, ईर्ष्यालु परमेश्वर हूँ।

ओह, इसमें क्या समस्या है? क्या आपको भगवान के ईर्ष्यालु होने की संभावना पसंद है? और फिर मुझे आगे पढ़ने दें। पिताओं के पाप के लिए बच्चों से मिलने जाना, तीसरी और चौथी पीढ़ी के उन लोगों से मिलना जो मुझसे नफरत करते हैं, लेकिन उन हज़ारों लोगों से प्यार करना जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरी आज्ञाओं का पालन करते हैं। भगवानों के ईर्ष्यालु होने का क्या मतलब है? क्या आपके पास इस बारे में कोई उपदेश है जो आपने कहीं सुना है? चेल्सी, आप कुछ कहने जा रही थीं।

अच्छा, और मुझे इसे थोड़ा और विस्तार से बताने दीजिए। इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि यह एक वाचा है। और परमेश्वर वास्तव में, भविष्यवक्ताओं के माध्यम से, बाद में इसे विवाह वाचा के रूप में भी प्रस्तुत करेगा।

और मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ कि एक बार जब आप शादी कर लेते हैं, अगर आपको जलन नहीं होती है, अगर आपका जीवनसाथी अपने से विपरीत लिंग के किसी और के साथ बाहर जाता है और उसके साथ छेड़छाड़ करना शुरू कर देता है, अगर आपको जलन नहीं होती है, तो आपके साथ कुछ गड़बड़ है। आपके साथ कुछ बहुत गलत है। यह एक वाचा है, और भगवान को ईर्ष्या करने का पूरा अधिकार है जब उसके लोग दूसरे लोगों, क्षमा करें, दूसरे देवताओं, क्षमा करें के साथ छेड़छाड़ करते हैं।

उसके लोग दूसरे देवताओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, और वे देवता उन्हें उस वाचा के बंधन को तोड़ने के लिए लुभा रहे हैं। ईर्ष्या फिट बैठती है। मूर्तिपूजा, हम इस पर बहुत समय बिता सकते हैं।

निर्मित वस्तुओं को ईश्वर की शक्ति का श्रेय देना। मूल रूप से, आप कुछ बनाते हैं, और आप मान लेते हैं कि यदि आप इसे सही तरीके से हेरफेर करते हैं, तो यह वही करेगा जो आप चाहते हैं। हम अब अपनी मूर्तियाँ नहीं बनाते। हम वास्तव में उन्हें खरीदते हैं।

हम यही कर रहे हैं, हम उन्हें खरीद रहे हैं। वे हमारे लिए किसी और द्वारा बनाए गए हैं। कुलुस्सियों अध्याय 3 हमें बताता है कि लालच मूर्तिपूजा है, और हम सभी इसके शिकार हो जाते हैं।

लालच मूर्तिपूजा है, हमें किसी तरह की शक्ति या जो भी दिखावा इसके साथ आता है, उसे पाने की बहुत चाहत। अब, मैं यह भी सुझाव देना चाहता हूँ कि जब हम इस क्रॉस-पीढ़ी की सज़ा को देखते हैं, तो बच्चों को, तीसरी और चौथी पीढ़ी को पाप का सामना करना पड़ता है। यह थोड़ा परेशान करने वाला भी है, जब तक हम यह नहीं पहचान लेते कि वास्तव में, जब पिता और माताएँ, माता-पिता ऐसे पैटर्न में आ जाते हैं जो वास्तव में हानिकारक होते हैं, तो वे चीजें पीढ़ियों तक चलती रहती हैं।

और आप भी मेरी तरह जानते हैं कि पारिवारिक अव्यवस्था के उन पैटर्न को तोड़ना, खास तौर पर उन क्षेत्रों में जो वाकई महत्वपूर्ण हैं, जारी है। बेशक, इसका उपाय यह है कि मूर्तियों को न रखने और ईश्वर को सबसे पहले रखने के बारे में बहुत चिंतित रहा जाए।

और फिर, यह प्रतिरूप सामने लाता है, हज़ारों लोगों को प्यार दिखाना, उन लोगों को जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरी आज्ञाओं का पालन करते हैं, है न? तो, मूर्तिपूजा के खिलाफ आज्ञा एक अत्यंत महत्वपूर्ण आज्ञा है। हम निर्गमन 32 के साथ थोड़ा और करने जा रहे हैं; यह सोने के बछड़े की स्थिति है। यह ध्यान में रखते हुए कि दस आज्ञाओं को देने के ठीक बाद, जब मूसा अकेले सिनाई पर्वत पर जाता है, तो उसे निर्देश मिलते हैं कि कैसे एक तम्बू बनाया जाए और कैसे हारून को उच्च पुजारी के रूप में कार्य करने के लिए कहा जाए।

एरोन क्या कर रहा है? वह लोगों के उकसावे पर पहाड़ की तलहटी में बछड़े का निर्माण कर रहा है, उस संदर्भ में मूर्तिपूजा की इतनी भयानक, भयावह, घृणित अभिव्यक्ति। लेकिन हम उस पर वापस तब आएंगे जब हमारे पास वह कथा होगी। यह भी एक कठिन सवाल है।

मैं इसे आपके लिए पढ़ूंगा। मैं सातवीं आयत पढ़ रहा हूँ और मैं आपको इसका दर्दनाक शाब्दिक अनुवाद दे रहा हूँ, ठीक है? यह वह नहीं है जो आपका NIV कहता है, इसलिए दर्दनाक शाब्दिक अनुवाद प्राप्त करें। तुम अपने परमेश्वर यहोवा का नाम व्यर्थ न करो।

क्या तुम फिर से यही चाहते हो? तुम अपने परमेश्वर यहोवा का नाम व्यर्थ न करो। क्योंकि जो कोई ऐसा करता है, यहोवा उसे निर्दोष नहीं ठहराएगा। अब इसका क्या मतलब है? इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने परमेश्वर यहोवा का नाम हमेशा के लिए व्यर्थ कर दें।

ठीक है, किंग जेम्स ने इसे इसी तरह कहा है। प्रभु का नाम व्यर्थ में लेने का क्या मतलब है? ठीक है, प्रभु के नाम का लापरवाही से इस्तेमाल करना या ईशनिंदा करना, वैसे, ये दो बहुत अलग बातें हैं। लेकिन हम थोड़ी देर में इस पर वापस आएं।

अच्छा, मुझे लगता है कि ये दोनों ही शामिल हैं, मैं उनका उल्लेख करने जा रहा हूँ। यहाँ और कुछ भी? क्या आपके पढ़ने से आपको कुछ पता चला, केलिन? ठीक है, तो निश्चित रूप से कुछ जानबूझकर किया जा रहा है, हालाँकि आपका सुझाव है कि लोग प्रार्थना करते हैं, यहाँ तक कि अपनी प्रार्थनाओं में भी, वे भगवान के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं? खैर, मैं सुझाव देता हूँ, मेरा मतलब है, मैं इस बिंदु पर बहुत से लोगों के पैरों पर कदम रख सकता हूँ। लेकिन ऐसा हो सकता है, और मुझे यकीन नहीं है कि इसे कितना आगे बढ़ाया जाए, कि जब भगवान या ईश्वर का नाम आपकी प्रार्थनाओं में अल्पविराम बन जाता है, तो हम किनारे पर हो सकते हैं, आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? कभी-कभी, जब आप लोगों को प्रार्थना करते हुए सुनते हैं, तो वे रुक जाते हैं और भगवान को वहाँ रख देते हैं, और यह किसी भी चीज़ से ज़्यादा अल्पविराम बन जाता है।

अब, ज़ाहिर है, मैं यहाँ इसकी आलोचना करने नहीं आया हूँ। मैं वास्तव में कुछ ज़्यादा ही महत्वपूर्ण बात पर हूँ। बेका? ठीक है, तो यह विचार कि ईश्वर के नाम में वास्तव में शक्ति है, और इसलिए इसका कोई भी लापरवाहीपूर्ण उपयोग उस शक्ति का दुरुपयोग होगा, सच है।

अगर मुझे अनुमति हो तो मैं दो अतिरिक्त सुझाव देना चाहूँगा। सबसे पहले, और फिर से, मुझे लगता है कि यंगब्लड ने कुछ बिंदु पर इसका उल्लेख किया है, इसका एक हिस्सा कानूनी संदर्भ में देखा जा सकता है। और यीशु शायद इसी बात का उल्लेख कर रहे हैं जब वह कहते हैं, आपकी हाँ हाँ हो और आपकी ना ना हो, और मंदिर के सोने की शपथ न लें और इसकी शपथ न लें।

इसका एक हिस्सा संदर्भों में शपथ लेने और उन्हें हल्के में लेने से संबंधित हो सकता है, जो इसका एक हिस्सा हो सकता है। लेकिन मैं पहले कहीं गई बात पर वापस जा रहा हूँ, जो मुझे लगता है कि समान रूप से और शायद उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हम में से हर एक को प्रभावित करती है। और यह कहते हुए, मैं बस, फिर से, आपका ध्यान समकालीन यहूदी धर्म की ओर आकर्षित करने जा रहा हूँ।

अगर आपके यहूदी दोस्त हैं जो रूढ़िवादी और सावधान हैं, तो वे ईश्वर का नाम न बोलने में बहुत सावधान रहेंगे। और जब वे इसे लिखेंगे, तो वे G या D लिखेंगे। और अगर आप वापस जाकर मैथ्यू

के सुसमाचार को पढ़ें, तो वह बार-बार क्या कहता है, स्वर्ग का राज्य, क्योंकि वह ईश्वर का राज्य नहीं कहने जा रहा है। यह एक बहुत बड़ी चिंता है कि हम कभी भी ऐसी स्थिति में न हों जहाँ हम ईश्वर का नाम हल्के-फुल्के ढंग से, हल्के-फुल्के ढंग से, उस शक्ति और उस शक्ति के पीछे के व्यक्ति के बारे में गहन विचार किए बिना बोल रहे हों।

अब, आपको बस गॉर्डन कॉलेज में दस मिनट तक घूमना है, और हम सभी इसके लिए दोषी हैं। आप ऊपर वाले आदमी के बारे में बहुत हल्के और तुच्छ संकेत सुनते हैं। भगवान आपको पकड़ लेंगे।

मैं सुझाव दूंगा कि इस तरह की चीजें इस विशेष आज्ञा के दुरुपयोग के करीब हैं। अब, मैं आपको यह नहीं कह रहा हूँ कि आप बाहर जाएं और छात्रावास में अपने सभी लोगों को पीटना शुरू कर दें। हमें इस संबंध में खुद पर नज़र रखने की ज़रूरत है।

मुझे खुद पर नज़र रखने की ज़रूरत है। इसमें पड़ना बहुत आसान है। और इसलिए हम यह नहीं कह सकते कि इसका संबंध कानूनी स्थितियों से है।

मुझे इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। या फिर इसका संबंध ईशानिंदा वाली भाषा के इस्तेमाल से है। मैं ऐसा नहीं करता।

नहीं, हम सभी इस विशेष आज्ञा का दुरुपयोग करने की नाव में सवार हैं। चौथा आदेश सब्बाथ का है। जब हम टोरा के अनुष्ठान के बारे में बात करते हैं तो मुझे सब्बाथ के आदेश के बारे में बहुत कुछ कहना होगा, क्योंकि यह उन उल्लेखनीय सीमाओं को पार करने वालों में से एक है।

और न केवल अनुष्ठान बल्कि नागरिक समाज भी। लेकिन अभी के लिए, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब आप निर्गमन 20 को व्यवस्थाविवरण 25, क्षमा करें, व्यवस्थाविवरण 5 के साथ पढ़ते हैं। मैं अपने संदर्भों को सही रखूंगा। दिए गए कारणों में थोड़ा सा अंतर है।

निर्गमन में, सब्त के दिन को पवित्र मानकर याद रखें। अब मैं श्लोक 11 पढ़ रहा हूँ। छः दिनों में, प्रभु ने आकाश और पृथ्वी, समुद्र और उनमें जो कुछ है, सब बनाया।

उसने सातवें दिन विश्राम किया। इसलिए, उसने सब्त के दिन को आशीर्वाद दिया और उसे पवित्र बनाया। यदि आप व्यवस्थाविवरण के अध्याय पाँच पर जाएँ, तो जैसा कि मैंने कहा, इसका कारण सृष्टि पर नहीं बल्कि छुटकारे पर केंद्रित है।

मुझे इसे पढ़ने दो। याद रखो कि तुम मिस्र में गुलाम थे और यहोवा तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें वहाँ से शक्तिशाली हाथ और बढ़ाई हुई भुजा से बाहर लाया था। इसलिए, यहोवा ने तुम्हें सब्त के दिन का पालन करने की आज्ञा दी है।

क्या आपको यहाँ की तस्वीर समझ में आई? दस आज्ञाओं में भी, सब्बाथ को बनाए रखने के लिए हमारे पास दो बहुत ही महत्वपूर्ण कारण हैं। पहला है सृष्टि, जो रचनात्मक प्रक्रिया की ओर वापस जाती है। और दूसरा है, परमेश्वर ने आपको छुड़ाया है।

सब्त मनाने का यह एक बहुत अच्छा कारण है। अब हम इसे पिछली बार निर्गमन 16 के साथ जो हमने बात की थी, उसके ऊपर रखने जा रहे हैं। यह गुलामों का एक समूह था जो पीढ़ियों से गुलाम था, जिनके लिए सात में से एक दिन भगवान की ओर से एक उपहार था।

तो इन सभी बातों को एक साथ रखें, और हम अगले सप्ताह सब्बाथ के बारे में अधिक बात करने जा रहे हैं, भगवान की इच्छा से। सबसे पहले ये हैं अपने पूरे दिल, आत्मा और दिमाग से अपने भगवान से प्यार करना। अब जब हम बाकी बातों को उठाते हैं, तो यह अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करने की श्रेणी में आने वाला है।

पहला अपने माता-पिता का आदर करने से संबंधित है। वैसे, कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रेम करने और पड़ोसी से प्रेम करने के बीच एक तरह की झूलती हुई स्थिति के रूप में देखते हैं। बेशक, ईश्वर ने माता-पिता को, कुछ मायनों में, परिवार के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में स्थापित किया है।

किसी भी हालत में, माता-पिता का सम्मान करना। खैर, यह एक और मुद्दा उठाता है क्योंकि आप और मैं शायद ऐसी स्थितियों के बारे में जानते हैं जहाँ माता-पिता बिल्कुल भी सराहनीय नहीं हैं। और आप किसी को ऐसे पिता या माँ का सम्मान करने के लिए कैसे कह सकते हैं जो दुर्व्यवहार करता है, उपेक्षा करता है, या पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करता है? आप किसी को ऐसा करने के लिए कैसे कह सकते हैं? यह कोई आसान मुद्दा नहीं है, लेकिन मैं यहाँ एक सुझाव देना चाहूँगा।

इस पाठ में सम्मान के लिए शब्द, सम्मान के लिए हिब्रू शब्द, में वजनदार होना, भारी होना, सार होना शामिल है। और शायद इस सम्मान की बात का एक हिस्सा बस अपने माता-पिता के लिए प्रदान करना है। अगर हम भावनात्मक रूप से उनसे प्यार नहीं कर सकते हैं, और एक बेकार, गिरे हुए संसार में ऐसा क्यों है, इसके कई कारण हैं, तो भी हम माता-पिता के लिए प्रदान कर सकते हैं।

खास तौर पर जब वे बुढ़ापे में पहुँच जाते हैं। तो फिर से, हिब्रू शब्द में सम्मान के उस विचार में अंतर्निहित है, मैं बस खुद को दोहरा रहा हूँ क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। इसमें प्रावधान करने, उन्हें प्रावधानों का सार और वजन देने का विचार अंतर्निहित है।

हिब्रू संस्कृति में, आप इसे इसी तरह से समझेंगे। यह उन्हें 10,000 डॉलर नहीं देता है ताकि वे नर्सिंग होम में रह सकें। यह उन्हें पदार्थ देता है ताकि वे वास्तव में जीवित रह सकें।

और मैं सुझाव दूँगा कि जब यीशु अपनी उपस्थिति में कुछ पाखंडी लोगों को चुनौती दे रहे हैं, और वे कहते हैं, तुम वहाँ बैठे हो और कह रहे हो, मैं यह सब सामान मंदिर को देने जा रहा हूँ, कुरबान, वे कहते हैं। और तुम अपने माता-पिता की अनदेखी कर रहे हो। मार्क अध्याय सात में जाकर इसे देखो।

मुझे लगता है कि वह विशेष आज्ञा और उस आज्ञा के निहितार्थों का उल्लेख कर रहे हैं। वह कहते हैं कि इसके बजाय, आपको अपने माता-पिता की देखभाल करनी चाहिए। ठीक है, और आप यहाँ जल्दी से आगे बढ़ सकते हैं।

फिर से, यहाँ हिब्रू शब्द 'मारना' नहीं है। मारने के लिए एक सामान्य हिब्रू शब्द है। यह शब्द है 'तुम्हें हत्या नहीं करनी चाहिए'।

यह एक अलग शब्द है। इसलिए, यह सभी तरह के दिलचस्प मुद्दों को उठाता है, ठीक है, दो गर्म मुद्दे हैं मृत्यु दंड और युद्ध। लेकिन बस ध्यान रखें कि यहाँ शब्द है तुम हत्या नहीं करोगे।

क्षमा करें, तुम हत्या नहीं करोगे, मैं इसे ठीक से नहीं समझ पाया। यह जानबूझकर, जानबूझकर मानव जीवन को लेना है, इसलिए एक विशेष व्यक्ति को मिटाना जो ईश्वर की छवि को धारण करता है। बेशक, यह हमें उत्पत्ति नौ की ओर वापस ले जाता है।

क्या आपको याद है कि जल प्रलय के बाद, प्रभु कहते हैं, जो कोई मनुष्य का खून बहाता है, वह खून मनुष्य द्वारा बहाया जाएगा क्योंकि वह व्यक्ति परमेश्वर की छवि धारण करता है।

अगला है व्यभिचार। विवाह वाचा के विरुद्ध अपराध। और जैसा कि मैंने लगभग 20 मिनट पहले कहा था, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक प्रतिबिंब है। हमारी विवाह वाचा परमेश्वर की अपने लोगों के साथ वाचा का प्रतिबिंब है। तो फिर, यहाँ कुछ दिलचस्प अंतर्संबंध हैं।

चोरी, वैसे तो यह एक सामान्य कथन है। इसमें बस इतना कहा गया है कि आपको चोरी नहीं करनी चाहिए। इसे दूसरे संदर्भों में भी समझाया जाएगा, लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है।

अगर कोई व्यक्ति चोरी करता है, यानी अपहरण करता है, तो उसे भी मौत की सज़ा दी जाती है। वैसे, हत्या मौत की सज़ा थी, व्यभिचार मौत की सज़ा थी। अगर आप किसी व्यक्ति को चुराते हैं, फिर से, उस व्यक्ति को ले जाते हैं और उसे ईश्वर की छवि का वाहक होने की उसकी क्षमता से हटा देते हैं, तो मृत्युदंड मिलता है।

और हां, जैसा कि हम आगे देखेंगे, अन्य प्रकार की चोरी के साथ अन्य प्रकार की सज़ा जुड़ी हुई थी। झूठी गवाही। खैर, यहाँ स्पष्ट रूप से झूठी गवाही दी गई है।

लेकिन मैं आपको सुझाव दूंगा कि यह घोषणा, जिसका संबंध न्यायालयों से है, इसमें कोई संदेह नहीं है, इसका संबंध न्यायालय प्रणाली से है। लेकिन यह संभवतः सामान्य रूप से झूठ बोलने का प्रतिनिधित्व करता है। क्योंकि जब हम बाइबल के बाकी हिस्सों को देखते हैं, तो झूठ बोलना उन चीजों के संदर्भ में सबसे ऊपर है जिन्हें परमेश्वर पूरी तरह से घृणित मानता है।

बिलकुल घृणित। नीतिवचन की पुस्तक में बार-बार झूठ बोलने के खिलाफ चेतावनी दी गई है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जो लोग झूठ बोलते हैं, वे कहाँ जाते हैं? आग की झील में।

झूठ बोलना भी बहुत निंदनीय है। और फिर, अंत में, इन सभी अन्य चीजों का मूल कारण लालच है। इच्छा नहीं करनी चाहिए।

एक प्रबल इच्छा जो हमें उन चीजों को पकड़ने और पकड़ने पर मजबूर करती है जो हमारी नहीं हैं। तुम्हें लालच नहीं करना चाहिए। खैर, दस बजकर दस मिनट पर, हमने यह आखिरी बात थोड़ी जल्दी से कर ली है।

लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। शाब्बत शालोम। सोमवार को मिलते हैं।